Based on the New Text Books

Sanjiv®

Refresher

- Solutions of all the Exercises of the Text Books
- Inclusion of Additional Important Questions
- Hindi Translation of all the Lessons of English & Explanation of Hindi Poems in easy Hindi
- Inclusion of Grammar in Hindi and English Subjects as per the Text Books

Class 4

Price 340.00

Sanjiv Prakashan, Jaipur
Visit us at : www.sanjivprakashan.com

CONTENTS

हिन्दी

1. सुख-धाम	1
2. बुद्धिमान खरगोश	4
3. झीलों की नगरी	7
4. पेड़	10
5. दशहरा	13
6. हमें जलाशय लगते प्यारे	16
7. वीर बालक अभिमन्यु	20
कार्यपत्रक	**24**
8. आज मेरी छुट्टी है	25
9. खेजड़ी	28
10. कूड़ेदान की कहानी, अपनी जुबानी	31
11. मेरे गाँव के खेत में	34
12. गोडावण	38
13. गुरु भक्त कालीबाई	40
कार्यपत्रक	**45**
14. निराला राजस्थान	49
15. कुरज री विनती	52
व्याकरण	**57-64**
संक्षिप्तीकरण	**64**
कहानी-लेखन	**64-66**
पत्र-लेखन	**66-67**
निबन्ध-लेखन	**67-69**
डायरी विधा	**69-70**
आत्मकथा	**70**
हिन्दी मौखिक परीक्षा	**71**

ENGLISH

Let's Learn English

1. A Thank You Prayer	72
2. Each One is Unique	76
3. A Brave Tribal Girl	86
4. A Visit to the Camel Fair of Pushkar	93
5. The Peacock : Our National Bird	100
6. Save Water	108
7. A Railway Station	113
Exercise	**121**
8. Kalpna Chawla : The Star	122
9. Ramu and the Mangoes	130
10. Mangarh Dham	141
11. My Village	149
12. Be Kind to Animals	153

13. If A Tree could Talk 161
Exercise 169
14. Nimboo-Paani 172
15. This Native Land of Mine 175
Translation into Hindi 181
Vocabulary and Grammar 182-220

Writing

1. Paragraph Writing 220
2. Story Writing 224
3. Letter Writing 226
4. Applications 228
5. Message Writing 228
6. Poster 229

MATHEMATICS

1. Library 231
2. Janak's Village 236
3. Addition of Numbers 241
4. Addition and Subtraction of Numbers 245
5. Vedic Ganit 252
6. Shapes 257
7. Symmetry 261
8. Let's make Tables 266
9. Multiplication of Numbers 271
Worksheet 279
10. Let's do Division 280
11. Patterns 285
12. Fractions 290
13. Measurement 295
14. Weight 302
15. Capacity 306
16. Time 310
17. Perimeter and Area 318
Worksheet 324
18. Currency 329
19. Data and Pictograph 334

Environmental Studies

1. Childhood Memories 329
2. Arni's Family 342
3. How can I know 345
4. Sports competition 348
5. Flowers Everywhere 352
6. Care of Trees and Plant 355
7. Ears Reveal Mysteries 360
8. About the Jungle 361
9. Oh water! Strange is your story 365
10. We and Wate 368
Worksheet 372
11. Good food : eat together 373

12. Beaks and claws 377
13. Should I eat chocolate or protect my teeth 380
14. Journey of crops 384
15. Our Pride-II 387
16. Our National Symbols 391
17. Fairs 394
18. About Houses 399
19. Clean house - clean village 402
Worksheet **404**
20. The rising Sun in the East 407
21. The Story of Cloth 410
22. The Journey 413

हिन्दी–कक्षा-4

पाठ-1. सुख धाम

पाठ परिचय—प्रस्तुत कविता में कवि ने भारत को एक घर के रूप में बताया है। कवि ने कविता के माध्यम से बताया है कि इस घर में विभिन्न जाति और धर्म के लोग एक-दूसरे के सुख-दु:ख में हाथ बँटाते हुए प्यार और सम्मान के साथ रहते हैं। भारत का यह रूप विविधता में एकता की तस्वीर प्रस्तुत करता है।

कठिन शब्दार्थ एवं सरलार्थ—

भारत माँ का सदन सुहाना
स्नेह-प्रेम सम्मान यहाँ।
दुख-सुख में हैं गूँजा करते,
निशि-दिन गौरव गान यहाँ।

कठिन शब्दार्थ—गौरव = यश। **सदन** = घर। **सुहाना** = प्यारा/अच्छा। **स्नेह** = अपनापन/प्यार। **निशि** = रात।

सरलार्थ—कवि कहता है कि भारत माँ का यह घर बहुत ही प्यारा है। यहाँ बहुत अपनापन और आपसी स्नेह है और सभी को सम्मान दिया जाता है। यहाँ चाहे सुख हो या दु:ख हमेशा गौरव गाथाओं के गान गूँजा करते हैं।

नहीं भेद है जाति धर्म का,
मानवता का मूल यहाँ।
इसका आँगन सुंदर उपवन,
भाँति-भाँति के फूल यहाँ।

कठिन शब्दार्थ—भेद = अन्तर। **मानवता** = मानव होने का भाव। **मूल** = मुख्य/लक्ष्य। **आँगन** = खुला स्थान, धरती। **उपवन** = बगीचा। **भाँति-भाँति के** = तरह-तरह के।

सरलार्थ—कवि कहता है कि यहाँ, अर्थात् भारत में जाति और धर्म का कोई भेदभाव नहीं है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर है। मानवता ही यहाँ का मूल उद्देश्य है। भारत की धरती एक सुन्दर बगीचे की तरह है, जहाँ विभिन्न जाति और धर्म रूपी तरह-तरह के फूल खिले हुए हैं।

राम, रहीम और ईसा से,
मिला श्रेष्ठतम ज्ञान यहाँ।
मंदिर-मस्जिद और गिरिजा में,
सुलभ एक सा ध्यान यहाँ।

कठिन शब्दार्थ—श्रेष्ठतम = सबसे अच्छा। **सुलभ** = सरलता से मिलने वाला। **गिरिजा** = ईसाइयों का प्रार्थना स्थल।

सरलार्थ—कवि कहता है कि यहाँ पर उपलब्ध ज्ञान राम, रहीम और ईसा जैसे महापुरुषों से मिला हुआ सबसे श्रेष्ठ ज्ञान है। यहाँ पर मंदिर, मस्जिद और गिरिजाघरों में सब धर्मों के लोग विभिन्न तरीकों से एक ही ईश्वर का ध्यान करते हैं।

सदा मित्र बन हाथ बढ़ाते,
नहीं बैर का नाम यहाँ,
अपने हित से पहले करते,
हम परहित के काम यहाँ।

कठिन शब्दार्थ—सदा = हमेशा। **मित्र** = दोस्त। **हाथ बढ़ाना** = सहायता करना। **बैर** = द्वेष। **हित** = लाभ। **परहित** = दूसरों की भलाई।

सरलार्थ—भारत की बात करते हुए कवि कहता है कि यहाँ पर लोगों में वैर-भाव नहीं है, बल्कि सब लोग दूसरों की मदद के लिए दोस्त बनकर हाथ बढ़ाते हैं। यहाँ पर सब लोग अपने लाभ से पहले दूसरों की भलाई के लिए काम करते हैं।

भारत अपना स्वर्ग मनोहर,
कण-कण भरा ललाम यहाँ।
बहे नेह की निर्मल सरिता,
सबका है सुख-धाम यहाँ।

कठिन शब्दार्थ—स्वर्ग = समस्त सुविधा सम्पन्न स्थान। **मनोहर** = मन को हरने वाला। **ललाम** = सुन्दर। **नेह** = स्नेह/प्यार। **निर्मल** =

स्वच्छ/साफ। **सरिता** = नदी। **सुखधाम** = सुख का स्थान।

सरलार्थ—कवि कहता है कि अपना भारत सभी सुविधाओं से सम्पन्न सबके मन को हरने वाला स्वर्ग सा स्थान है। यहाँ के कण-कण में सुन्दरता भरी हुई है। यहाँ हर व्यक्ति के दिल में स्नेह और प्यार की निर्मल नदी प्रवाहित होती रहती है। यह भारत सबके सुखों का स्थान है।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

सोचें और बताएँ—

प्रश्न 1. हम सुख-दुःख में भी किसका गान करते हैं?

उत्तर—हम सुख-दुःख में भी भारत के गौरव का गान करते हैं।

प्रश्न 2. भारत माँ के आँगन में कैसे फूल खिले हैं?

उत्तर—भारत माँ के आँगन में विभिन्न जाति-धर्मो रूपी भाँति-भाँति के फूल खिले हैं।

प्रश्न 3. श्रेष्ठतम ज्ञान किस-किससे मिला?

उत्तर—राम, रहीम और ईसा से श्रेष्ठतम ज्ञान मिला।

लिखें—

प्रश्न 1. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें—

(गूँजा, गान, सम्मान, सदन)

(क) भारत माँ का ..... सुहाना,
(ख) स्नेह-प्रेम ..... यहाँ।
(ग) दुःख-सुख में हैं ..... करते,
(घ) निशि-दिन गौरव ..... यहाँ।

उत्तर—(क) सदन (ख) सम्मान (ग) गूँजा (घ) गान।

प्रश्न 2. 'सुलभ एक-सा ध्यान यहाँ' का क्या आशय है?

उत्तर—इससे आशय है कि यहाँ मन्दिर, मस्जिद और गिरिजाघर में चाहे पूजा की पद्धतियाँ भिन्न-भिन्न हों लेकिन यहाँ सबको पूजा-ध्यान करने की पूरी आजादी है। सभी को एक-सा ध्यान सहज सुलभ है।

प्रश्न 3. सुख का धाम किसे कहा गया है?

उत्तर—सुख का धाम भारत को कहा गया है।

प्रश्न 4. भारत माँ के आँगन को सुन्दर उपवन क्यों कहा गया है?

उत्तर—भारत में विभिन्न जाति-धर्मो के लोगों के रूप में भाँति-भाँति के फूल खिले हैं, इसलिए इसे सुन्दर उपवन कहा गया है।

प्रश्न 5. हमारे देश को धरती का स्वर्ग क्यों कहा गया है?

उत्तर—हमारे देश की धरती का कण-कण सुन्दरता से भरा हुआ है। यहाँ प्रेम रूपी निर्मल सरिता बहती है। इसलिए इसे धरती का स्वर्ग कहा गया है।

प्रश्न 6. सुहाने सदन की क्या विशेषताएँ होती हैं? बताइए।

उत्तर—सुहाने सदन अर्थात् घर में सब लोग एक-दूसरे के साथ स्नेह-प्रेम और सम्मान के साथ रहते हैं। यहाँ सब लोग सुख-दुःख में एक-दूसरे के साथ रहते हैं।

भाषा की बात—

दिए गए उदाहरण के अनुसार योजक (-) चिह्न के स्थान पर 'और' शब्द जोड़ते हुए पुनः लिखें—

दुःख-सुख	दुःख और सुख
राम-रहीम	.....
जाति-धर्म	.....
दिन-रात	.....
स्नेह-प्रेम	.....
माता-पिता	.....

उत्तर—राम और रहीम, जाति और धर्म, दिन और रात, स्नेह और प्रेम, माता और पिता।

पाठ में 'सुन्दर उपवन' शब्द आया है, यहाँ उपवन की विशेषता बताई गई है। आप भी सुन्दर विशेषण लगाकर नए शब्द बनाइए, जैसे—सुन्दर माला।

उत्तर—सुन्दर बच्चा, सुन्दर लिखावट, सुन्दर चित्र, सुन्दर बातें, सुन्दर पुस्तक।

यह भी करें—

- **देश-प्रेम से सम्बन्धित अन्य कविता याद करें और कक्षा में सुनाएँ।**

उत्तर—शिक्षक की सहायता से कविता चुनकर याद करें।

• दूसरों की भलाई के लिए आप क्या-क्या काम करना पसन्द करोगे?

उत्तर—हम दूसरों की भलाई के लिए निम्न काम करना पसन्द करेंगे—

(1) गरीब छात्रों की सहायता करेंगे।
(2) बूढ़े व्यक्तियों को सड़क पार करायेंगे।
(3) बीमार लोगों की सहायता करेंगे।
(4) किसी के काम में हाथ बटायेंगे।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—

1. भारत माँ का सदन कैसा है?

(अ) खुशनुमा (ब) सुहाना
(स) सुन्दर (द) प्यारा। ( )

2. भारत माँ के आँगन को बताया गया है—

(अ) मैदान (ब) खेत
(स) उपवन (द) धरती। ( )

3. यहाँ सब लोग एक-दूसरे की सहायता करते हैं—

(अ) मित्र बनकर (ब) कर्मचारी बनकर
(स) सैनिक बनकर (द) खिलाड़ी बनकर।( )

4. भारत में किसकी निर्मल सरिता बहती है?

(अ) पानी की (ब) दूध की
(स) द्वेष की (द) नेह की। ( )

उत्तर—1. (ब) 2. (स) 3. (अ) 4. (द)।

रिक्त स्थान भरो—

(जाति, ज्ञान, मित्र, निर्मल)

1. बहे नेह की ..... सरिता,
2. मिला श्रेष्ठतम ..... यहाँ।
3. नहीं भेद है ..... धर्म का,
4. सदा ..... बन हाथ बढ़ाते।

उत्तर—1. निर्मल 2. ज्ञान 3. जाति 4. मित्र।

सत्य/असत्य—

1. भारत माँ का सदन सुहाना है। (सत्य/असत्य)
2. यहाँ जाति और धर्म का भेद ही मानवता का मूल है। (सत्य/असत्य)
3. यहाँ के आँगन रूपी उपवन में एक तरह के फूल खिलते हैं। (सत्य/असत्य)
4. यहाँ राम, रहीम और ईसा से श्रेष्ठतम ज्ञान मिला है। (सत्य/असत्य)
5. भारत सबका सुखधाम है। (सत्य/असत्य)

उत्तर—1. सत्य 2. असत्य 3. असत्य 4. सत्य 5. सत्य।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. भारत माँ के सुहाने सदन में क्या-क्या है?
उत्तर—भारत माँ के सुहाने सदन में स्नेह, प्रेम और सम्मान है।

प्रश्न 2. भारत में मानवता का मूल क्या है?
उत्तर—जाति और धर्म में भेद नहीं होना यहाँ मानवता का मूल है।

प्रश्न 3. भारतवासी अपने हित से पहले क्या करते हैं?
उत्तर—भारतवासी अपने हित से पहले परहित का काम करते हैं।

प्रश्न 4. यहाँ कैसी सरिता बहती है?
उत्तर—यहाँ प्रेम की निर्मल सरिता बहती है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. मानवता के मूल से क्या आशय है?
उत्तर—भारत में अलग-अलग जाति और धर्म के लोग रहते हैं, लेकिन अलग-अलग होते हुए भी सब मिल-जुलकर साथ रहते हैं और यही यहाँ मानवता का मूल है।

प्रश्न 2. भारत माँ का सदन सुहाना कैसे है?
उत्तर—भारत माँ का सदन सुहाना है, क्योंकि यहाँ सब लोग स्नेह, प्रेम और सम्मान के साथ रहते हैं। यहाँ सुख-दु:ख सब में दिन-रात गौरव गान गूँजा करते हैं।

प्रश्न 3. भारत सबका सुखधाम है। कैसे?
उत्तर—भारत में सभी जाति और धर्मों के लोग मिल-जुलकर साथ रहते हैं। यहाँ छोटे-बड़े का कोई भेद नहीं है। सब लोग सुख-दु:ख में एक-दूसरे के काम आते हैं और यहाँ प्यार रूपी निर्मल सरिता सबके दिलों में बहती है। इस प्रकार भारत सबका सुखधाम है।

प्रश्न 4. 'भाँति-भाँति के फूल यहाँ' से क्या आशय है?

उत्तर—इसका आशय है कि हमारे देश भारत में अलग-अलग धर्मों और अनेक जातियों के लोग मिल-जुलकर

रहते हैं। ऐसा लगता है कि इस देश रूपी बगीचे में भली-भाँति के सुन्दर फूल खिले हैं।

प्रश्न 5. 'हम परहित के काम यहाँ' से क्या आशय है?

उत्तर—इससे आशय है कि भारत के लोग अपनी भलाई का काम बाद में करते हैं। वे सबसे पहले दूसरों की भलाई का काम करते हैं और सदा सहयोगी बने रहते हैं।

निबन्धात्मक प्रश्न—

प्रश्न 1. 'सुख धाम' कविता का मूल भाव क्या है? लिखिए।

उत्तर—इस कविता में कवि ने देश-प्रेम का भाव व्यक्त किया है। कवि कहता है कि हमारे देश में सब प्रेम, सम्मान और भाईचारा रखते हैं। यहाँ पर सभी धर्मों और सभी जातियों के लोग मेल-जोल से रहते हैं। सब अपनी भलाई से पहले दूसरों की भलाई करते हैं। भारत के लोग मानवता का आचरण करते हैं। इन विशेषताओं से अपना भारत स्वर्ग के समान सुन्दर है।

प्रश्न 2. 'सुख धाम' कविता से क्या सन्देश दिया गया है?

उत्तर—इस कविता से सन्देश दिया गया है कि (1) हम सब भारत माँ की सन्तान हैं, इसलिए स्नेह और भाईचारे से रहें। (2) सुख-दुःख में एक-दूसरे का साथ दें। (3) मानवता का आचरण करें। (4) मित्रता और परहित का भाव रखें। (5) पूर्वजों व महापुरुषों की शिक्षाओं को अपनावें। (6) भारत देश को खुशहाल व स्वर्ग से सुन्दर बनावें।

पाठ-2. बुद्धिमान खरगोश

पाठ का सार—किसी वन में भासुरक नाम का एक सिंह रहता था। वह प्रतिदिन अनेक वन्य जीवों को मारता था। एक दिन सभी जानवरों ने मिलकर भासुरक से निवेदन किया कि वे रोजाना एक पशु को उसके आहार के लिए भेज दिया करेंगे। शेर इस बात से प्रसन्न हो गया। इसी क्रम में एक दिन एक खरगोश की बारी आयी। जब खरगोश शेर के पास जा रहा था तो रास्ते में उसे एक कुआँ दिखा। उसे देखकर खरगोश के मन में विचार आया कि वह इस कुएँ में शेर को उसकी परछाई दिखाकर गिरा सकता है। यही सोचकर वह शेर के पास देरी से पहुँचा। भूख से व्याकुल शेर ने जब गुस्से में उसे देरी से आने का कारण पूछा तो खरगोश ने बताया कि रास्ते में दूसरे शेर ने उसे रोक लिया और उसके साथ आ रहे चार खरगोशों को और खा गया। यह सुनकर शेर को बहुत गुस्सा आया। उसने खरगोश से उस शेर से तुरन्त मिलवाने को कहा, जिससे वह उसे समाप्त कर सके। खरगोश भासुरक सिंह को कुएँ के पास ले गया। वहाँ शेर ने झुककर कुएँ में देखा तो उसे अपनी परछाई दिखाई दी। भासुरक ने उसे दूसरा सिंह समझा और उसे मारने के लिए कुएँ में कूद गया और जल में डूब कर मर गया। इस प्रकार चतुर खरगोश ने सभी जानवरों को शेर के आतंक से मुक्त करा दिया।

कठिन शब्दार्थ—सिंह = शेर। **प्रतिदिन** = रोजाना। **वन्य जीव** = जंगली जानवर। **आहार** = भोजन। **प्राणी** = जीव। **पूर्ण** = पूरा। **निवेदन** = प्रार्थना/विनय। **परिश्रम** = मेहनत। **निर्वाह** = गुजारा। **निरन्तर** = लगातार। **वृद्धि** = बढ़ोतरी। **निर्भय** = बिना भय के। **व्याकुल** = बेचैन। **घड़ियाँ** = समय। **विनयपूर्वक** = नम्रता के साथ। **व्यर्थ** = बेकार में। **क्रोध** = गुस्सा। **मार्ग में** = रास्ते में। **बलशाली** = ताकतवर। **रक्त** = खून। **अतिरिक्त** = अलावा। **हस्तक्षेप** = दखल। **दुर्ग** = किला। **नष्ट** = बर्बाद। **दंतहीन** = बिना दाँत का। **निर्णय** = फैसला। **असाध्य** = जो साधने के योग्य नहीं/कठिन। **प्रसन्नता** = खुशी।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

सोचें और बताएँ—

प्रश्न 1. वन में रहने वाले सिंह का नाम क्या था?

उत्तर—वन में रहने वाले सिंह का नाम भासुरक था।

प्रश्न 2. मृत्यु के भय से किसके पैर नहीं उठ रहे थे?

उत्तर—मृत्यु के भय से खरगोश के पैर नहीं उठ रहे थे।